लिए लगभग 1.50 करोड़ रु० की राशि नियत की गई है। अभी तक छोटे कृषकों की विकास एजेंसी चम्पारन के लिए 20.00 लाख रु० छोटे कृषकों की विकास एजेंसी पूर्णियां के लिए 32.17 लाख रु० और छोटे कृषको की विकास एजेंसी पटना के लिए 21.00 लाख रु० की राशि मंजूर की है।

(ख) जी नहीं।

(ग) प्रश्न नही होता।

मध्य प्रदेश को 1972 की खरीफ की फसल के लिए उर्वरकों की सप्लाई का आश्वासन

7006. **श्री चन्दुलाल चन्द्राकर** : क्या कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सितम्बर, 1971 मे आयोजित क्षेत्रीय बैठक मे केन्द्रीय सरकार ने मध्य प्रदेश सरकार को यह आश्वासन दिया था कि 1972 की खरीफ की फसल के लिए उसे 70 हजार टन यूरिया, 5 हजार टन अमोनियम सल्फेट, 35 हजार टन डी० ए० पी० और 7 हजार टन मिला जुला उर्वरक उपलब्ध कराया जाएगा ;

(ख) यदि हां, तो अब तक वस्तुतः कितनी मात्रा में उर्वरक की सप्लाई की गई है ;

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार को मध्य प्रदेश से ऐसे समाचार प्राप्त हुए है कि वहां उर्वरकों की अत्यन्त कमी है; और

(घ) यदि हां, तो उर्वरकों की इस कमी की तत्काल पूर्ति के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

कृषि मन्त्रालय में उप-मन्त्री (श्री जगन्नाथ पहाड़िया) : (क) सितम्बर, 1971 में रखे हुए क्षेत्रीय सम्मेलन में, राज्य सरकार की 30,000 मीटरी टन यूरिया, 5000 मीटरी टन अमोनियम सल्फेट, 35000 मीटरी टन डी० ए० पी० और 7000 मीटरी टन एन० पी० के० की सप्लाई की आवश्यकतायें केन्द्रीय उर्वरक पूल से खरीफ, 1972 मौसम के लिए नोट कर ली गई। तथापि वास्तव में पूल उर्वरकों की सप्लाई, मन्त्रालय द्वारा नियतन के आधार पर और सर्वोपरि मांग तथा भंडारों की उपलब्धता को देखते हुए, की जाती है।

(ख) जनवरी, 1972 से राज्य सरकार की उर्वरकों की निम्नलिखित मांग सप्लाई की गई :—

1. यूरिया	21939
2. डी० ए० पी०	9924

(ग) राज्य सरकार ने बताया है कि वहां उर्वरकों की कमी है और पर्याप्त सप्लाई के लिए अनुरोध किया है।

(घ) राज्य सरकार को उर्वरकों की सप्लाई करने के प्रश्न पर आगे और विचार केन्द्रीय क्षेत्रीय सम्मेलन मे 13-4-1972 को किया गया। राज्य की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, देशीय उत्पादकों द्वारा 36,478 मीटरी टन यूरिया की अश्वस्त सप्लाई और राज्य मे उपलब्ध भंडारों का ध्यान रखते हुए, अप्रैल-जून, 1972 की तिमाही के लिए यूरिया के मूल 5,000 मीटरी टन के नियतन को बढ़ा कर केन्द्रीय उर्वरक पूल से 32,600 मीटरी टन कर दिया गया।

जहां तक डी० ए० पी० का सम्बन्ध है जनवरी से मार्च 1972 की तिमाही में राज्य सरकार को 9,924 मीटरी टन सप्लाई की गई जो खरीफ 1972 के लिए प्रयोग की जायेगी। राज्य सरकार को अपनी खरीफ-72 के लिए फास्फेटिक उर्वरकों की जरूरतें पूरा करने के लिए 1,00,000 मीटरी टन सुपरफास्फेट और 9,000 मीटरी टन यूरिया अमोनियम फास्फेट (2882880) देशीय उत्पादन से सप्लाई करने का आश्वासन किया गया है।